

अध्याय 15

कंप्यूटर एडमिनिस्ट्रेशन

15. कंप्यूटर एडमिनिस्ट्रेशन

15.1 कन्ट्रोल पैनल का परिचय:

कंप्यूटर सिस्टम को कनफिगर करने के लिए कन्ट्रोल पैनल एक मुख्य टूल है। सिस्टम को कनफिगर करने के लिए अधिकतर टूल्स सामान्य विण्ड़ो इंस्टालेशन के साथ आते हैं। जब कि कुछ टूल्स अन्य सॉफ्टवेयर अथवा हार्डवेयर इंस्टालेशन के साथ कंट्रोल पैनल में पाये जाते हैं।

विन्डोज 10 में Setting ऐप कन्ट्रोल पैनल का ही एक तरह का विकल्प होता है लेकिन विंडोज 10 में कन्ट्रोल पैनल को पूर्ण रूप से हटाया नहीं गया है | दोनों को रखा गया है ताकि कनफिगरेशन में कुछ बदलाव हो तो पारंपरिक कन्ट्रोल पैनल खोल कर वह किया जा सके।

सेटिंग्स ऐप को Open करने के लिए Start बटन को सिलेक्ट करें और सेटिंग्स पर क्लिक करें। अब नीचे दी गई विण्डो दिखाई देगी।



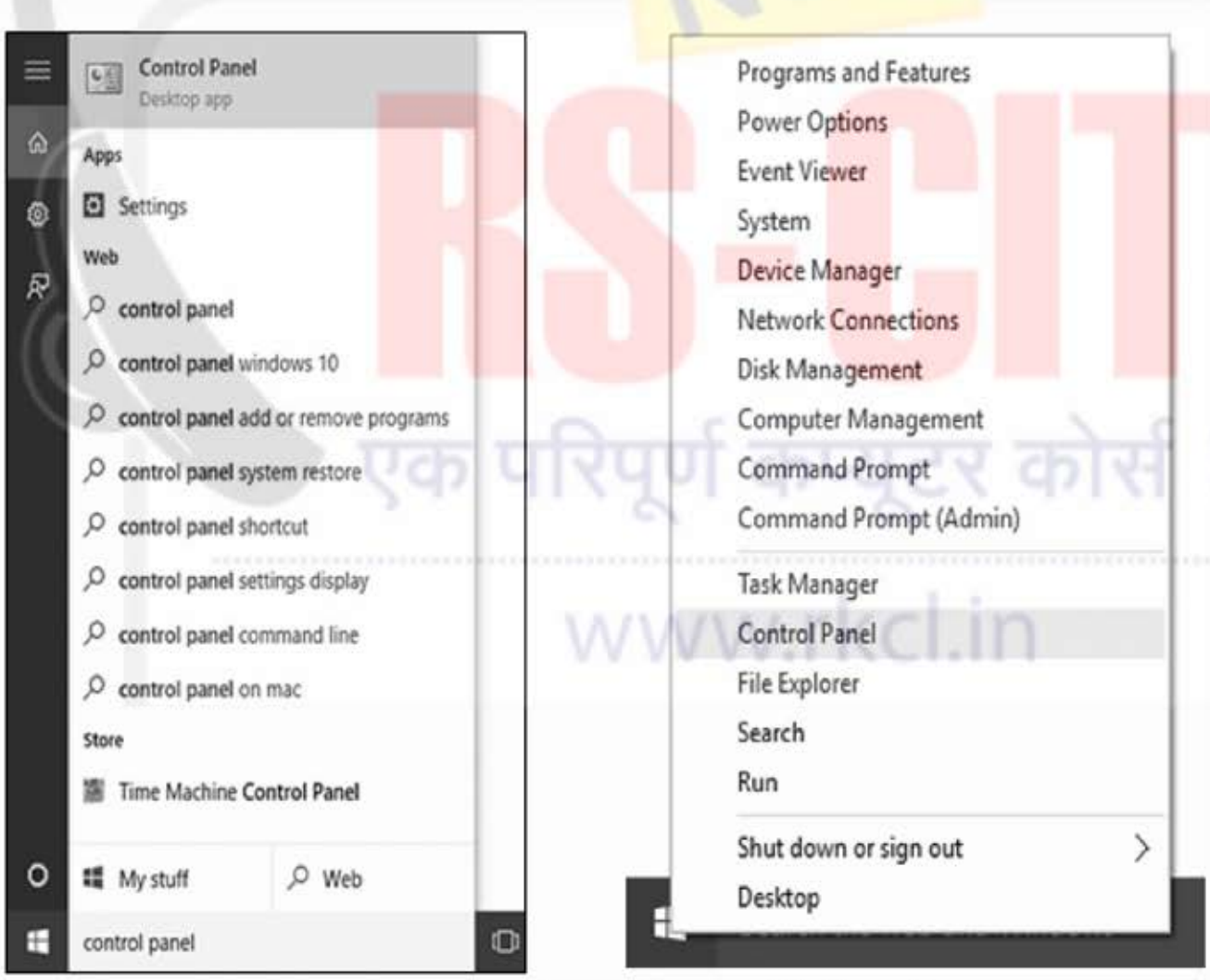
चित्र 15.1 सेटिंग्स ऐप विण्डो

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

सेटिंग्स मैन्यू मे कई कनफिगरेशन ऑप्शन होते हैं जो कि निम्न हैं:

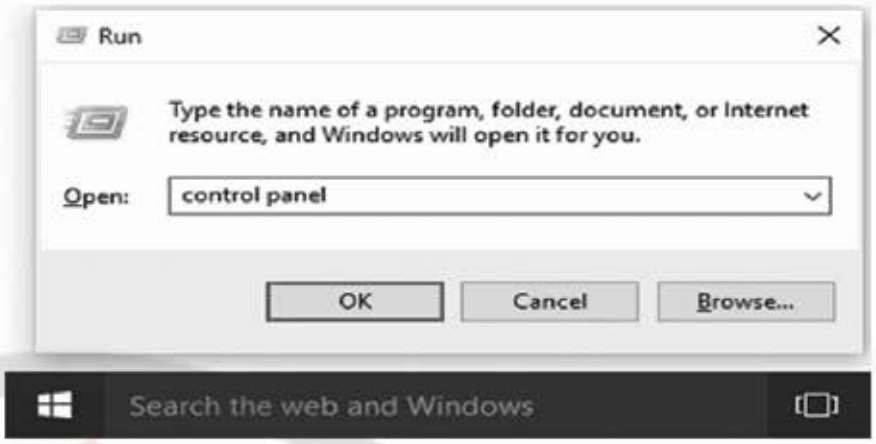
- सिस्टम: इसमें डिस्प्ले, नोटिफिकेशन, ऐप्स और पावर ऑप्शन होते हैं|
- डिवाइस: इसमें ब्लूटूथ, प्रिंटर्स ओर माउस कीबोर्ड आदि की सेटिंग्स होती हैं|
- नेटवर्क और इन्टरनेट: इसमें WI-FI को मैनेज करना, एयरप्लेन मोड और वर्चुल प्राइवेट नेटवर्क आदि होते हैं।
- पर्सनेलाइजेशन: इसमें बैकग्राउण्ड इमेज और कलर को बदल सकते हैं।
- एकाउन्टस: PC पर यूजर एकाउन्ट की सेटिंग करने हेतु इसका यूज करते हैं|
- टाइम और लैंग्वेज: इसमें क्षेत्रीय (रीज़न), स्पीच और टाइम सेटिंग कनफिगर करने के आप्शन होते हैं।
- ईज ऑफ़ एक्सेस (Ease of Access): जो देख ओर सुन नहीं सकते हैं उनके लिए इसमें टूल्स होते हैं|
- प्राइवेसी: आपका कंप्यूटर आपके बारे में क्या जानता है इसे कन्ट्रोल करने के लिए इसे प्रयोग किया जाता है।
- अपडेट और सिक्योरिटी: इसमें बैकअप, रिस्टोर व अपडेट विंडोज होते हैं|

चित्र में दिखाये निम्न तरीकों के द्वारा पारंपरिक कन्ट्रोल मैन्यू को एक्सेस किया जा सकता है (खोला जा सकता है):



चित्र 15.2: सर्च एवं WinX मेन्यू का इस्तेमाल कर कंट्रोल पैनल खोलना

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL



चित्र 15.3 रन कमाण्ड के द्वारा कंट्रोल पैनल को एक्सेस करना

कन्ट्रोल पैनल को स्टार्ट मेन्यू अथवा टास्क बार से PIN (पिन) किया जा सकता है इसके लिए स्टार्ट मेन्यु के अंतर्गेत आल app में कन्ट्रोल पैनल पर राईट क्लिक कर किया जा सकता है|



चित्र 15.4 कन्ट्रोल पैनल का केटेगरी व्यू

कन्ट्रोल पैनल मे कई कनफिगरेशन ऑप्शन होते हैं जो निम्न हैं:

- सिस्टम और सिक्योरिटी: इसमें फ़ायरवॉल को मैनेज करने, एन्क्रिप्शन, स्टोरेज इत्यादि कई आप्शन होते हैं।
- यूजर अकाउंट: यूजर के लिए सिस्टम एक्सेस परमिशन को बदलने के लिए इसका इस्तेमाल होता है|
- नेटवर्क और इन्टरनेट: इसके द्वारा लोकल नेटवर्क, इन्टरनेट एवं शेयरिंग ऑप्शन को बदला जा सकता है।
- अपीयरेंस एवं पर्सनलाइजेशन: इसके द्वारा स्क्रीन रेज्यूल्युशन व फॉण्ट को ठीक किया जा सकता है|
- हार्डवेयर एवं साउंड: डिवाइस मैनेजर और सिस्टम साउंड मेन्यू इसमें उपलब्ध रहते हैं|
- क्लॉक, लैंग्वेज एवं (Region) रीजन: इसके द्वारा एक दूसरी भाषा या इनपुट का तरीका जोड़ा जा सकता है|

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

- प्रोग्राम्स: इसके द्वारा डेस्कटॉप प्रोग्राम एवं डिफ़ॉल्ट फाइल हैंडलर मैनेज किये जा सकते हैं|
- ईज ऑफ़ एक्सेस: इसके अन्दर विजिबिलिटी, ऑडियो ऑप्शन एवं टूल टिप्स ठीक किये जा सकते हैं|



चित्र 15.5: कंट्रोल पैनल का लार्ज आइकॉन व्यू

कंट्रोल पैनल, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ग्राफिकल यूज़र इंटरफ़ेस का एक भाग है जो कि यूज़र को सिस्टम के सेटिंग्स व कंट्रोल को देखने व बदलने में एप्लेट के जरिये मदद करता है जैसे कि हार्डवेयर जोड़ना, सॉफ्टवेर इनस्टॉल करना व अनइनस्टॉल करना, यूजर अकाउंट कंट्रोल करना और एक्सेसिबिलिटी ऑप्शन बदलना | थर्ड पार्टी सॉफ्टवेर के द्वारा अतिरिक्त एप्लेट उपलब्ध किये जा सकते हैं | विंडोज के नवीनतम वर्जन में कंट्रोल पैनल के दो व्यू हैं: क्लासिक एवं केटेगरी व्यू | और यह संभव है कि ऑप्शन के माध्यम से दोनों व्यू में स्विच किया जा सकता है जो कि विंडो के दायीं ओर उपरी भाग में होता है | कंट्रोल पैनल के कई एप्लेट दुसरे तरीकों से भी एक्सेस किये जा सकते हैं | उदहारण के लिए, डिस्प्ले प्रॉपर्टीज को डेस्कटॉप के खाली भाग पर राईट क्लिक कर प्रॉपर्टीज चुन कर एक्सेस किया जा सकता है|

उपयोगी जानकारी

टिप - कंट्रोल पैनल एवं सेटिंग्स ऐप में काफी ओवरलैपिंग है | जब आप पूर्ण तरीके से निश्चित ना हों कि दोनों में से किस मेन्यू का इस्तेमाल करें तो आप विंडोज स्टार्ट मेन्यू के सर्च ऑप्शन में सेटिंग का विवरण डाल कर सर्च कर लें|

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

त्वरित समीक्षा

- कन्ट्रोल पैनल का क्या उपयोग है?
- विण्डो 10 मे कन्ट्रोल पैनल को आप कैसे एक्सैस कर सकते हैं?
- सैटिग ऐप से कन्ट्रोल पैनल किस तरह अलग है?

15.2 कन्ट्रोल पैनल पर कार्य करना:-

आगे दिये पेज पर एपलेट माइक्रोसोफ्ट विंडो कन्ट्रोल पैनल के कम्पोनेन्ट हैं। जिनके द्वारा यूजर कंप्यूटर की कई सेटिंग्स को डिफाइन करना, मॉनिटर डिवाइस (जैसे कि प्रिन्टर और मोडम), नये हार्डवेयर प्रोग्राम और नेटवर्क कनेक्शन को सेटअप करना इत्यादि किये जा सकते हैं|

15.2.1 सिस्टम और सिक्योरिटी:-

15.2.1.1 सिक्योरिटी और मेन्टेनेन्स:-

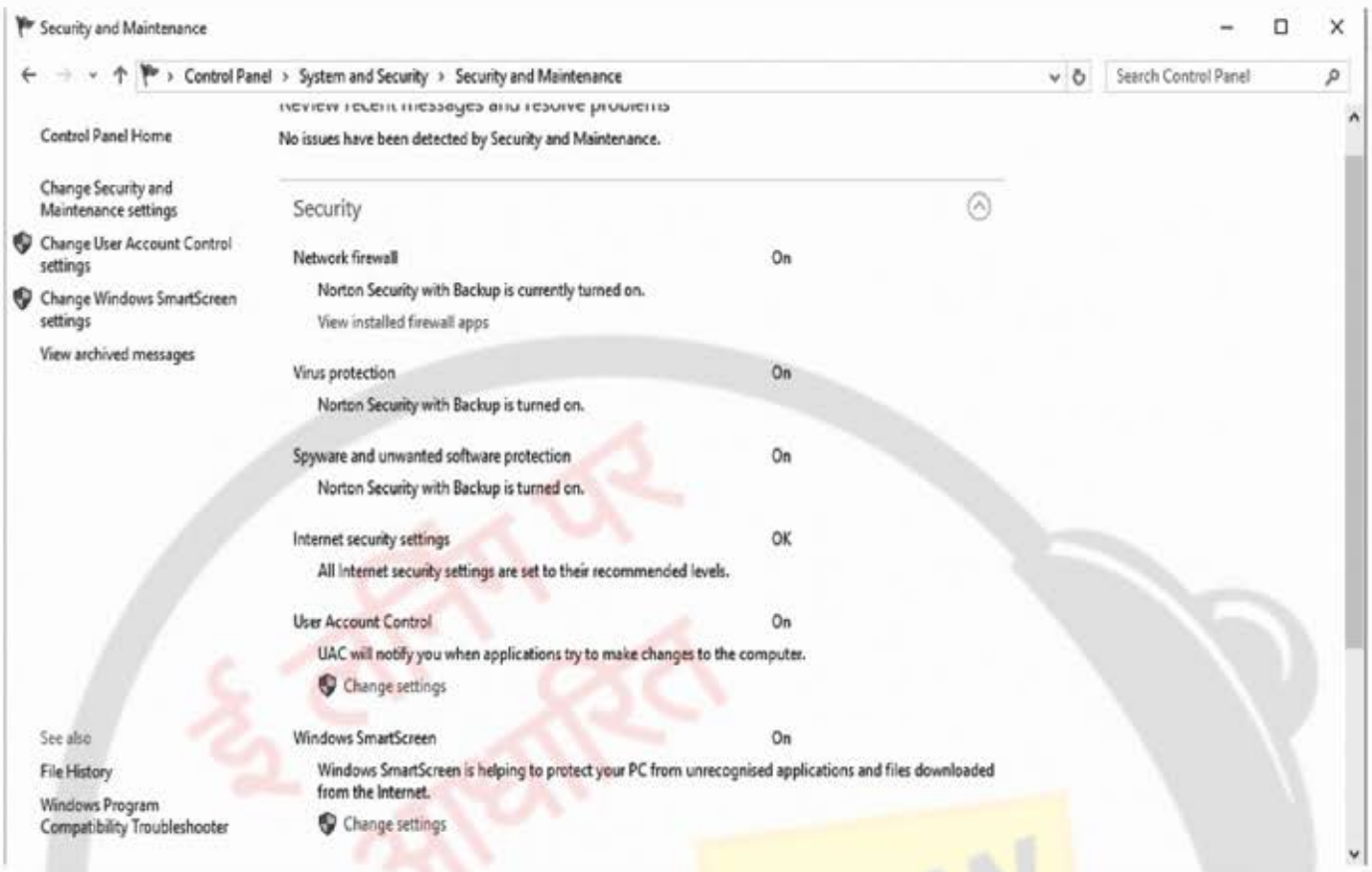
यह यूजर को पहले से इंस्टाल विण्डो सिक्योरिटी कम्पोनेन्ट और साथ ही पहले स्थित एन्टीवायरस जैसे कि मैक-एफ़ी अथवा क्विक-हील को एक्सेस करवाता है| इसमे विण्डो अपडेट सेटिंग भी शामिल रहती है जहाँ यूजर यह स्पेशीफाई कर सकता है कि कंप्यूटर नियमित अंतराल पर विण्डो के अपडेट चैक कर सकते हैं या नहीं (विंडोज अपडेट पैनल में भी उपलब्ध होता है) तथा इन्टरनेट सिक्यूरिटी सेटिंग्स को मैनेज करने के विकल्प भी होते है| इसमें कंप्यूटर सिक्योरिटी से जुडे आर्टिकल्स और नवीनतम वायरस के लिंक भी होते हैं जो कंप्यूटर की सिक्योरिटी से कोई छेड छाड होने पर यूजर को आगाह कर देते हैं।

15.2.1.2 सिस्टम

इसका प्रयोग कोर सिस्टम सेटिंग को देखने और बदलने के लिए किया जाता है| उदाहरण के तौर पर एक यूजर निम्न कर सकता है:

- यूजर मशीन पर सामान्य इनफोरमेशन जैसे कि रैम, सी.पी.यू. की स्पीड और टाइप, विण्डो का वर्जन और निर्माता आदि की इनफोरमेशन डिस्पले करता है।
- नेटवर्क वर्कग्रुप में जाकर कंप्यूटर नाम को एडिट कर सकते हैं।
- हार्डवेयर डिवाइस को मैनेज और कनफिगर करना और इनफोरमेशन को देखना जैसे कि मैन्यूफेक्चरर, यूजर एक्सेस और डिवाइस मैनेजर की मदद से सिस्टम पर इंस्टाल हार्डवेयर का ड्राइवर वर्जन जानना इत्यादि।
- सिस्टम फीचर को इनेबल अथवा डिसएबल (सक्रिय अथवा निष्क्रिय) करना जैसे कि आटोमेटिक अपडेट ओर सिस्टम रिस्टोर को मॉनिटर करना आदि|
- अतिरिक्त फीचर बताना जैसे कि फरफोरमेन्स, वर्चयूल मैमोरी सैटिग और रोमिंग प्रोफाइल्स आदि|

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL



चित्र 15.6 सिक्योरिटी और मेन्टेनेन्स

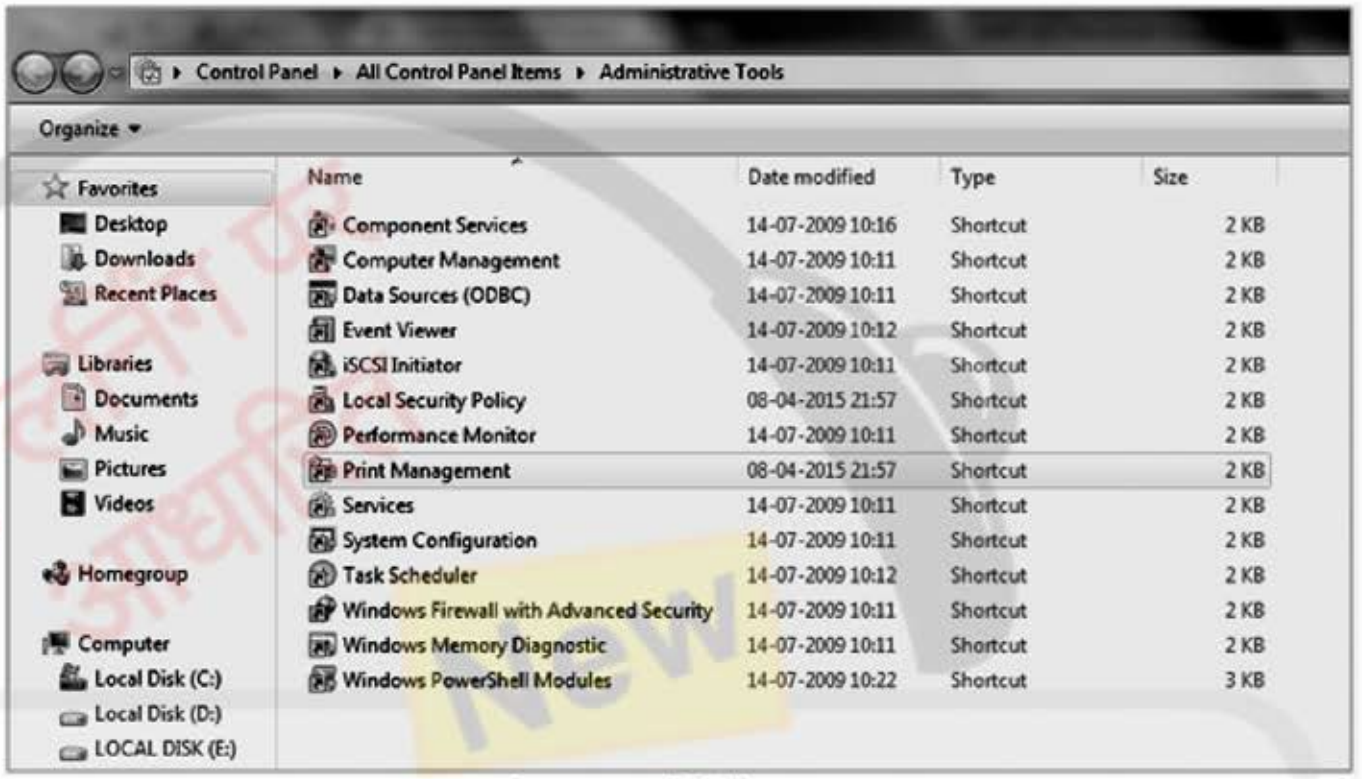


चित्र 15.7 सिस्टम पैन

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

15.2.1.3 एडमिनिस्ट्रेशन टूल्स:-

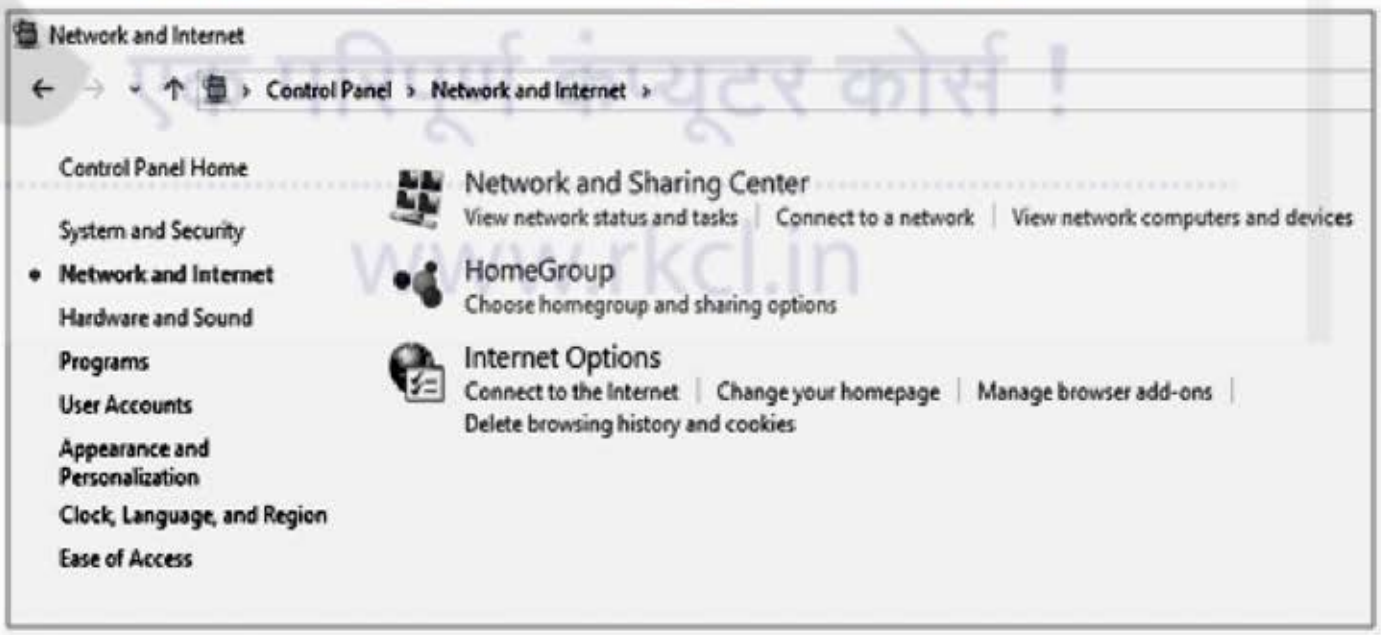
इसमें सिस्टम एडमिनिस्टेशन के लिए टूल्स होते है जिसमें सिक्योरिटी, परफोरमेंस और सर्विस के कनफिगरेशन सम्मिलित होते हैं | यह माइक्रोसोफ्ट मैनेजमेन्ट कन्सोल के कई कनफिगरेशन के लिंक्स हैं जैसे लोकल सर्विस लिस्ट और इवेंट व्यूअर आदि।



चित्र 15.8 एडमिनिस्ट्रेशन टूल्स

15.2.2 नेटवर्क और इन्टरनेट:

इसके माध्यम से नेटवर्क कनेक्शन देखे जा सकते हैं एवं यूजर नेटवर्क कनेक्शन को एडिट कर सकता है या नया कनेक्शन भी बना सकता है जैसे लोकल एरिया नेटवर्क और इन्टरनेट कनेक्शन | कंप्यूटर को नेटवर्क से पुनः जोड़ने के लिए इसमें ट्रबलशूटिंग फंक्शन भी उपलब्ध होते हैं|



चित्र 15.9 नेटवर्क और इन्टरनेट पैन

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

15.2.2.1 इन्टरनेट ऑप्शन-

यूजर इसके माध्यम से यह बदल सकता है कि कंप्यूटर इन्टरनेट कनेक्शन एवं ब्राउज़र सेटिंग को कैसे मैनेज करता है | अलग अलग एट्रिब्यूट स्पेशिफाई करने हेतु इसमें कई टैग होते हैं|

- **जनरल**: इसमें कलर स्कीम और होमपेज सेटिंग किये जा सकते हैं ओर इन्टरनेट हिस्ट्री को डिलीट किया जा सकता है|
- **सिक्योरिटी और प्राइवेसी**: इसमें यह सेटिंग की जा सकती है कि क्या कंप्यूटर वेबसाइट को कुछ प्रोसेस करने की इजाजत दे सकता है एवं कूकीज डाउनलोड कर सकता है या नहीं। इस पैनल के माध्यम से इनबिल्ट पॉप-अप ब्लॉकर (विंडोज XP SP2 एवं उसके बाद के वर्जन में) एवं इन्टरनेट एक्स्प्लोरर में फिशिंग कंट्रोल्स को एक्सेस किया जा सकता है|
- **कन्टेन्ट**: यह पैरेंटल कंट्रोल एवं ऑटो कम्पलीट को कनफिगर करने में मदद करता है और यह भी बताता है कि सर्टिफिकेट के साथ कैसे डील करना है।
- **कनेक्शन, प्रोग्राम और एडवान्सड**: इनके द्वारा इन्टरनेट सेटिंग के अन्य पहलू को एक्सेस किया जा सकता है जैसे कि डिफ़ॉल्ट मॉडेम कनेक्शन एवं ई-मेल क्लाइंट, प्रॉक्सी सेटिंग्स एवं अन्य एडवांस्ड कॉन्फ़िगरेशन।



चित्र 15.10 इन्टरनेट आप्शन

15.2.3 हार्डवेयर और साउण्ड:-

इस मेन्यू से डिवाइस, प्रिन्टर्स और साइज सैटिग को मैनेज किया जा सकता है।



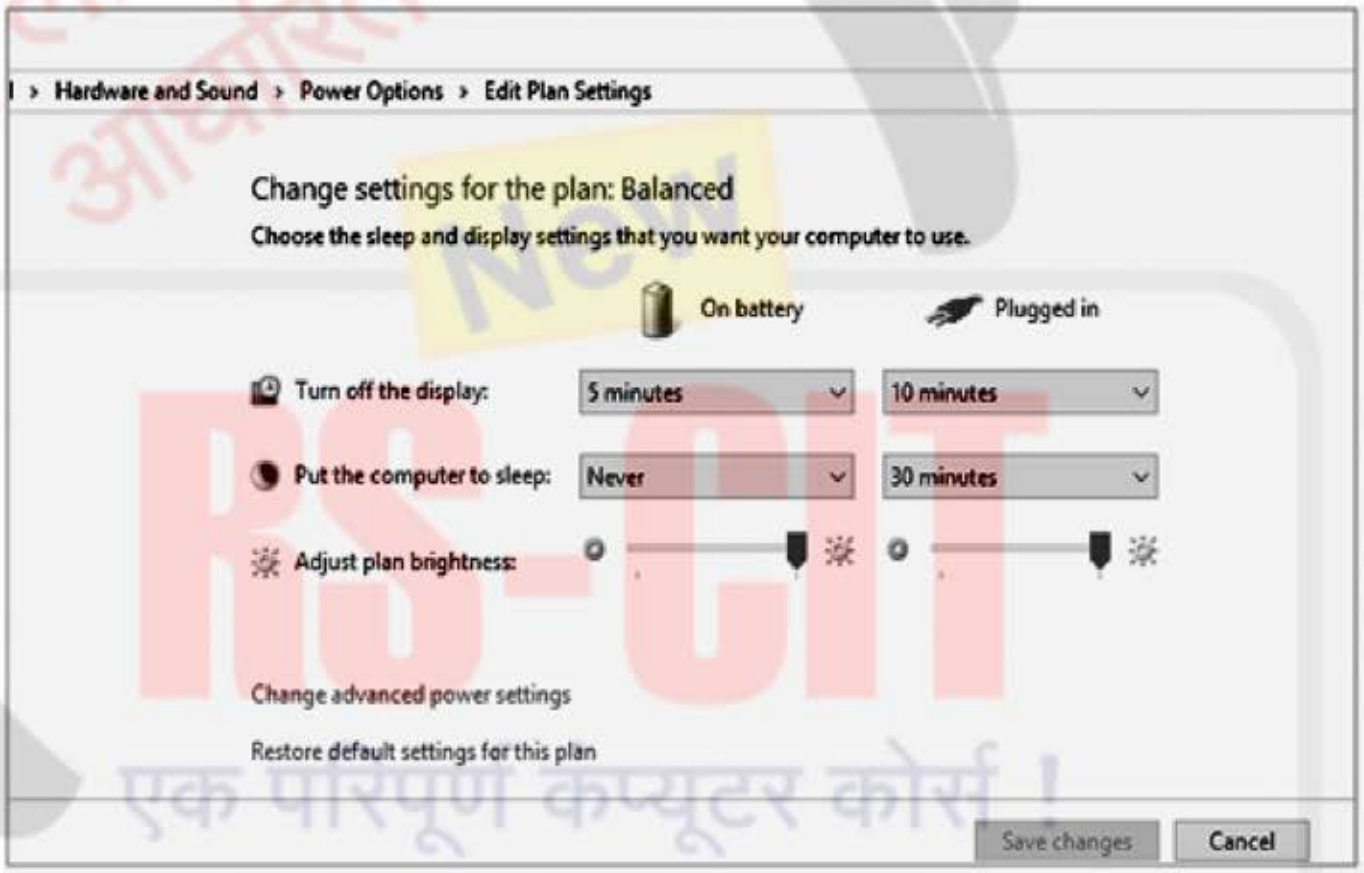
चित्र 15.11 हार्डवेयर एवं साउंड मेन्यू

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

15.2.3.1 पावर ऑप्शन:

एनर्जी (पॉवर/बैटरी) उपभोग को मैनेज करने के लिए इसमें ऑप्शन होते हैं जैसे कि:-

- कितनी देर मे डिस्पले एवं हार्डड्राइव स्विच-ऑफ होगा और कितनी देर में सिस्टम स्टेण्ड बाई होगा। (यदि जरुरत हो तो)
- यह निश्चित करना कि कंप्यूटर के पावर बटन को एक बार दबाने से क्या होगा, दो बार दबाने से क्या होगा अथवा देर तक दबा के रखने से क्या होगा|
- सिस्टम हाइबरनेट करने की सुविधा रखनी है या नहीं|
- UPS अगर उपलब्ध हो तो उसे कनफिगर करना आदि।



चित्र 15.12 पावर ऑप्शन

15.2.4 प्रोग्राम-

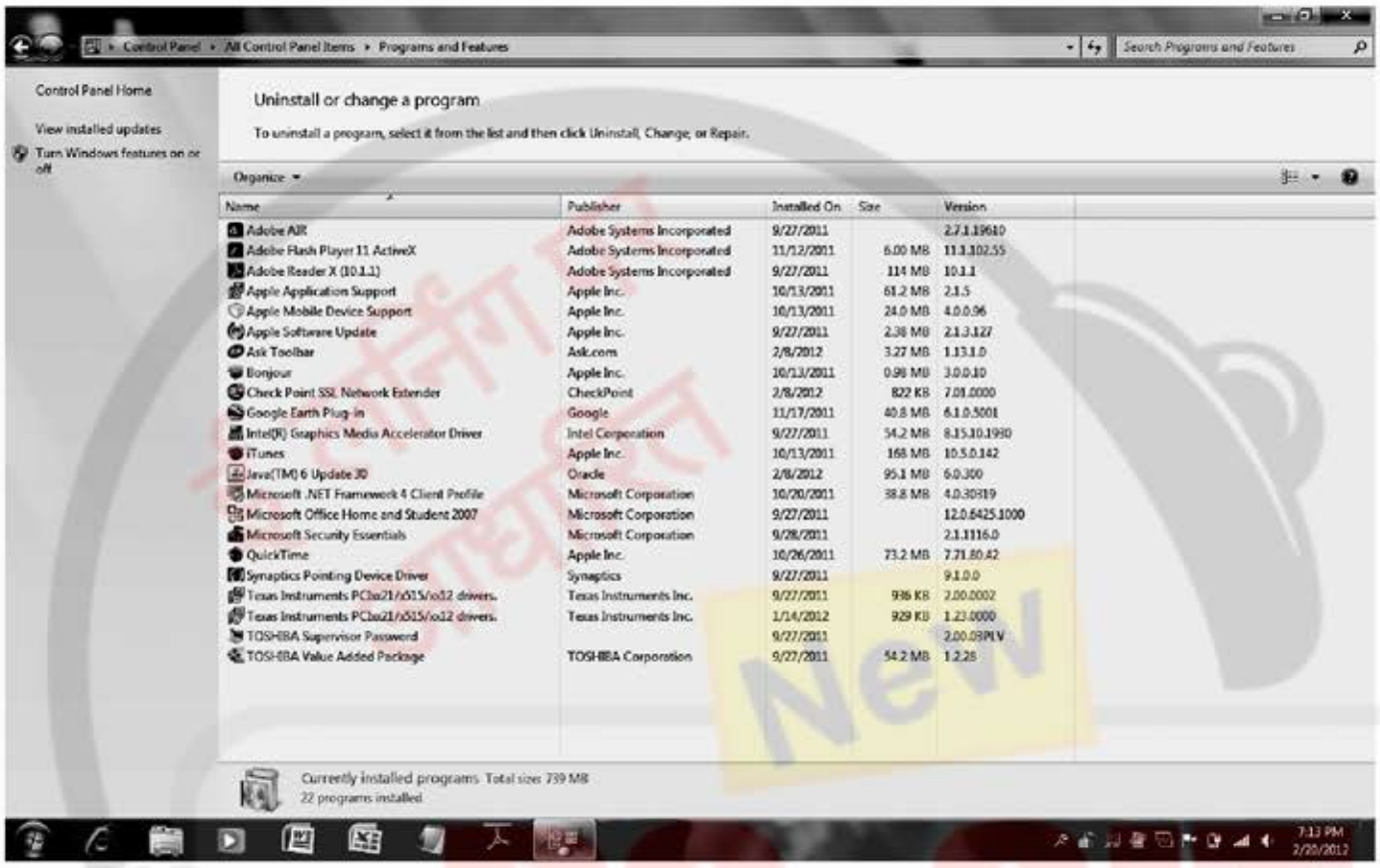
इस सेक्शन से यूजर कई तरीको से सिस्टम पर इंस्टाल सोप्टवेयर को अनइनस्टॉल या रिपेयर कर सकता है:

- यूजर को सॉफ्टवेर पैकेज अनइनस्टॉल करने या मौजूदा सॉफ्टवेर पैकेज को बदलने में मदद करता है एवं साथ ही हरेक प्रोग्राम कितनी मेमोरी यूज करेगा तथा कितनी अधिक बार इस्तेमाल होगा यह भी प्रदर्शित करता है|
- यूजर को सी.डी. रोम या फ्लॉपी डिस्क से सॉफ्टवेर इनस्टॉल करने एवं विंडोज अपडेट के माध्यम से Add-ons

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

इनस्टॉल करने में मदद करता है|

- विण्डो सेटअप विजार्ड के द्वारा विण्डों के कौन से कम्पोनेन्ट इस्टाल किये गये है उन्हें बदलने में मदद करता है जिसमें इन्टरनेट एक्सप्लोरर, विण्डोज मीडिया प्लेयर और विण्डोज मैसेन्जर आदि हो सकते हैं।



चित्र 15.13 प्रोग्राम्स और फीचर्स

15.2.5 यूजर एकाउन्टस

यदि यूजर को परमिशन हो, तो इसके द्वारा यूजर खुद के अकाउन्ट को और सिस्टम में स्थित अन्य अकाउन्ट को कनफिगर कर सकते हैं। इसके द्वारा यूजर-नेम, पासवर्ड और प्रोफाइल पिक्चर को बदला जा सकता है | यदि करन्ट यूजर का एडमिनिस्ट्रेटर अकाउन्ट हो तो नए अकाउन्ट को जोड सकता है, डिलिट और मोडिफाईड करने के साथ-साथ कोर सिस्टम सेटिंग्स में भी कर सकते हैं | इस पैनल के द्वारा यह भी कंप्यूटर को बताया जा सकता है कि गेस्ट अकाउंट को एक्टिव रखना है या नहीं तथा विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम चालू होने पर कौन सी वेलकम स्क्रीन का प्रयोग किया जाना है|

15.2.6 एपीरियन्स और पर्सनलाइजेशन :-

इसके द्वारा यूजर कंप्यूटर की डिस्पले यूज को चेन्ज कर सकता है;

- इसमे यूजर अपनी इच्छानुसार डेस्कटॉप बैकग्राउंड में मनपसंद पिक्चर लगा सकता है एवं उसे कैसे दिखाना है वह भी निर्णय कर सकता है।

- इसके द्वारा यूजर स्क्रीनसेवर को बदल सकता है या डिसएबल (निष्क्रिय) कर सकता है | यूजर यह भी अंकित कर

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

सकता है कि कितनी देर के बाद स्क्रीनसेवर एक्टिवेट होगा एवं वापस स्क्रीन प्रारम्भ होने पर कंप्यूटर पासवर्ड पूछेगा या नहीं।

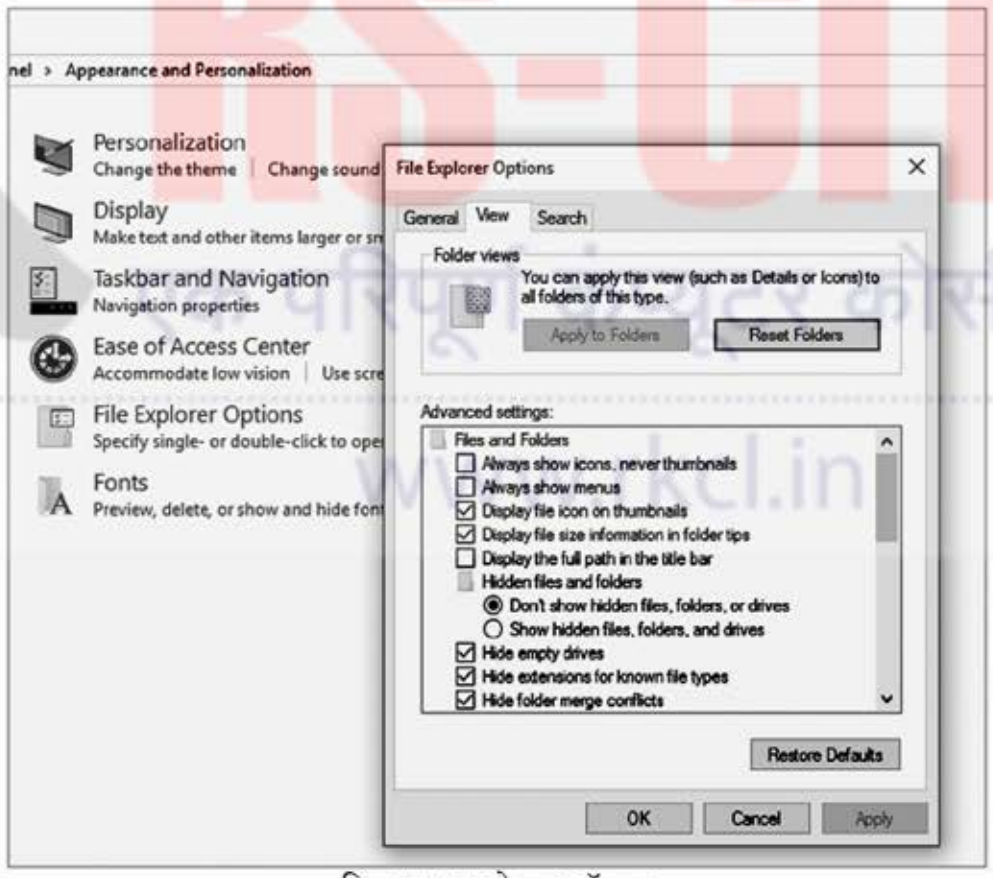
- इसके द्वारा यूजर सिस्टम के सभी एलिमेन्टस की कलर स्टाइल को अंकित कर सकता है जैसे कि विंडोज XP/Vista स्टाईल अप्लाई करना है या क्लासिक Windows 98 स्टाइल। यूजर माई कंप्यूटर और रिसाइकिल बिन आइकन को भी इससे बदल सकता है।



चित्र 15.14 कन्ट्रोल पैनल में डिस्पले

- इसके द्वारा यूजर स्क्रीन रेजोल्युशन और कलर क्वालिटी को बदल सकता है और डिस्पले में कुछ समस्या आने पर ट्रबल शूटिंग Trouble Shooting भी कर सकता है।

15.2.6.1 फाईल एक्सप्लोरर ऑप्शन:



चित्र 15.15 फोल्डर ऑप्शन

विण्डो एक्सप्लोरर में फाइल्स और फोल्डर को कैसे डिस्प्ले किया जाये, यह इस ऑप्शन से कनफिगर किया जा सकता है | अधिक सटीक तरीके से कहा जाये तो इसके माध्यम से यूजर सामान्य सेटिंग अंकित कर सकता है जैसे कि फोल्डर किसी नयी विंडो में खुलेंगे या खुली हुई विंडो में ही, कॉमन टास्क पेन दिखेगा या नहीं, और साथ ही ज्यादा एडवांस्ड टास्क जैसे कि महत्वपूर्ण सिस्टम फाइल को कंप्यूटर छुपा कर रखे या नहीं, फाइल एक्सटेंशन प्रदर्शित हों या नहीं इत्यादि | यह विंडोज में फाइल टाइप एसोसिएशन तो

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

बदलने में भी काम में लिया जाता है | जिसका मतलब है की किसी प्रकार की फाइल को खोलने में कौनसे प्रोग्राम का उपयोग होगा, अन्य सेटिंग्स जैसे हर एक फाइल टाइप और फाइल एक्सटेंशन के लिए क्या एक्शन लिए जायेंगे आदि-

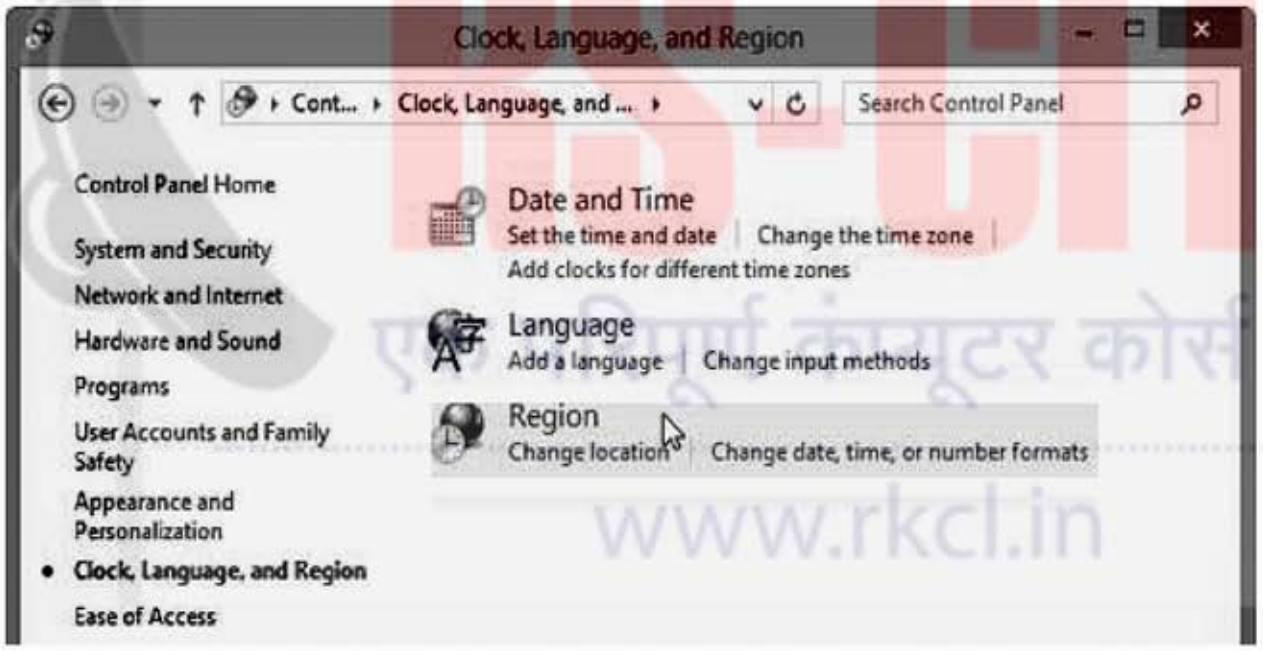
15.2.6.2 टॉस्क बार और स्टार्ट मेन्यू:-

इसके द्वारा यूजर स्टार्ट मेन्यू और टॉस्क बार के अपीयरेंस (रंग-रूप) और व्यवहार को बदल सकते हैं।

- यह अंकित करता है कि टास्कबार व स्टार्ट मेन्यू के लिए विण्डो XP या क्लासिक 9x/Me किस स्टाइल का यूज करना है।
- टॉस्क बार ऑटो-हाईड (स्वत: छुपाने की क्रिया) करना है या नहीं।
- सिस्टम नोटिफिकेशन एरिया में Clock दिखाई देगी या नहीं।
- यूजर को ट्रे आईकन को मैनेज करने का अधिकार देता है।
- इनके अतिरिक्त एडवान्स ऑप्शन जैसे कि स्टार्ट मेन्यू में प्रिंटर और फैक्स दिखाई देंगे या नहीं तथा माय डॉक्यूमेंट को एक मेन्यू की तरह दिखाना है या एक नयी विंडो की लिंक के रूप में |

15.2.7 क्लॉक, रीज़न और लैंग्वेज ऑप्शन:

इसके द्वारा मशीन के BIOS (बेसिक इनपुट आउटपुट सिस्टम) में स्टोर तारीख और समय बदलना, टाइम जोन बदलना, भाषा चुनना, लोकेशन बदलना, तारीख व समय इन्टरनेट सर्वर से सिंक्रोनाइज करना हा या नहीं कॉन्फ़िगर करना, तथा कौनसे सर्वर से यह करना है, यह सब बदला जा सकता है |

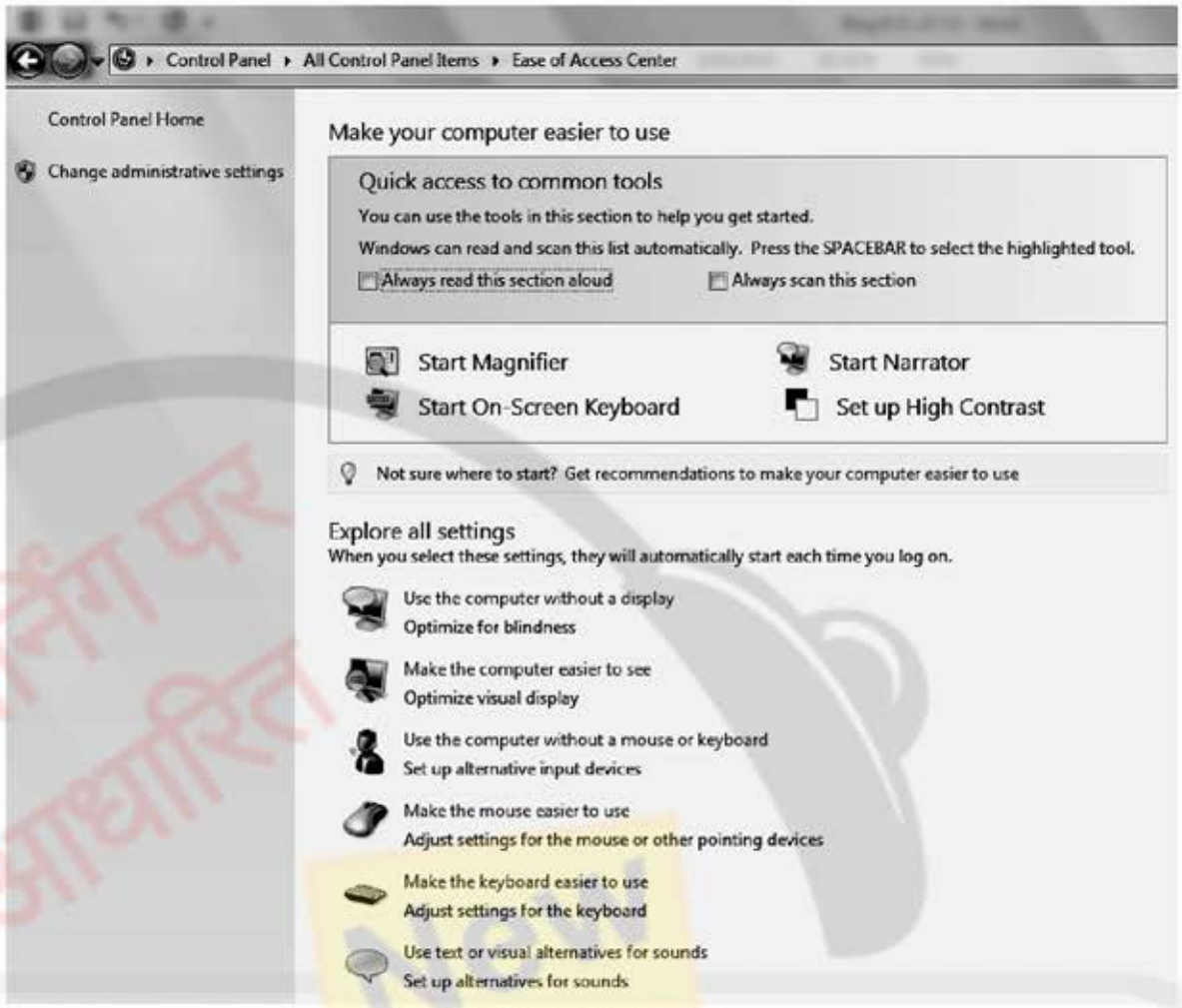


चित्र 15.16 क्लॉक, लैंग्वेज और रीजन

15.2.8 ईज ऑफ एक्सेस सेन्टर:

इस ऑप्शन के द्वारा यूजर कंप्यूटर की एक्सेसिबिलिटी को कनफिगर कर सकता है जिसमें कई प्रकार की सेटिंग्स सम्मिलित हैं जो मुख्यत: निःशक्तजन हेतु या फिर हार्डवेयर समस्याओं पर केन्द्रित होती हैं।

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL



चित्र 15.17 ईज ऑफ़ एक्सेस सेन्टर

इन सेटिंग्स के द्वारा निम्न हो सकते हैं:

- नरेटर (Narrator) और मैगनीफायर (Magnifier) को इनेबल किया जाना |
- ऑनस्क्रीन की-बोर्ड और कॉन्ट्रास्ट (Contrast) सेटिंग को बदलना |
- की-बोर्ड के व्यवहार को बदल सकते है। यह मुख्यतः उनके लिए है जिन्हें की-कॉम्बिनेशन दबाने में परेशानी होती है या फिर एक Key(की) एक ही बार दबाना (Sticky कीज, फ़िल्टर कीज और टॉगल (Toggle) कीज)
- की-बोर्ड के प्रयोग के द्वारा पॉइन्टर को कन्ट्रोल किया जा सकता है। (माउस कीज)

त्वरित समीक्षा

- पावर ऑप्शन का प्रयोग करके कैसे उर्जा की बचत की जा सकती है?
- किस ऑप्शन के द्वारा सोफ्टवेयर को अनइनस्टॉल किया जा सकता है?

15.3 सोफ्टवेयर इन्स्टालेशन:

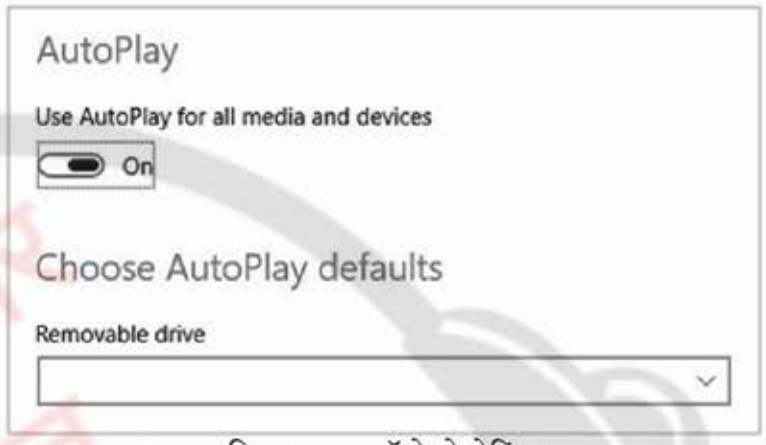
विण्डोज 10 मे उपलब्ध प्रोग्राम्स और फीचर्स से लगभग सभी जरूरी कार्य किये जा सकते हैं लेकिन इनके साथ कुछ अन्य प्रोग्राम भी इनस्टॉल किये जा सकते हैं | विंडोज 10 में सामान्यतः प्रोग्राम्स CD, DVD, इन्टरनेट अथवा विण्डो स्टोर से

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

इंस्टाल किये जा सकते है। यदि पहले से इंस्टाल किये हुये प्रोग्राम को बदलना अथवा अनइनस्टॉल करना चाहते हो तो आप सेटिंग्स ऐप (App) अथवा कन्ट्रोल पैनल से कर सकते हैं।

15.3.1 सी.डी. अथवा डी.वी.डी. से सोफ्टवेयर इंस्टाल करना:

इनके लिए सबसे पहले डिस्क को कंप्यूटर में इन्सर्ट करें और स्क्रीन पर दिखाई निर्देशों की पालना करें। यदि कंप्यूटर एडमिनिस्ट्रेटर पासवर्ड पुछा जाये या कन्फर्मेशन मांगा जाये तो पासवर्ड इन्सर्ट करें या कन्फर्मेशन दें | सी.डी. अथवा डी.वी.डी. से इनस्टॉल करने पर सामान्यतः इंस्टालेशन विजार्ड स्वतः ही कई प्रोग्राम द्वारा खोल दिया जाता है | ऐसे में ऑटोप्ले (Auto Play) डायलॉग बॉक्स खुलता है | आप इसका प्रयोग कर इंस्टालेशन विज़ार्ड चला सकते हैं|



चित्र 15.18 ऑटोप्ले सेटिंग्स

अगर किसी प्रोग्राम का इंस्टालेशन स्वतः ही प्रारंभ नहीं होता है तो प्रोग्राम के साथ आई जानकारी को पढ़ लें | यह जानकारी आपको प्रोग्राम इनस्टॉल करने सम्बन्धी दिशा-निर्देश प्रदान करती है | अगर आप जानकारी एक्सेस नहीं कर पा रहे हों तो सी.डी./डी.वी.डी. के फोल्डर में जाकर प्रोग्राम सेटअप फाइल खोले जो सामान्यतः .exe फाइल होती है जैसे कि Setup.exe या Install.exe|

यदि इंस्टालेशन अपने आप प्रारंभ नहीं होता है तो अपने कंप्यूटर की ऑटोप्ले सेटिंग्स की जांच कर लें | सर्च में जाकर ऑटोप्ले सेटिंग्स लिखें और चुनें | यह सुनिश्चित कर लें कि ऑटोप्ले ऑप्शन ऑन हो |

इसमें यूजर रिमूवेबल ड्राइव व मेमोरी कार्ड के लिए भी डिफ़ॉल्ट चुन सकता है|

15.3.2 इन्टरनेट से सॉप्टवेयर इंस्टालेशन

कई सॉफ्टवेयर को आप किसी साइट से डाउनलोड करके इंस्टाल कर सकते है | डाउनलोड करने के लिए केवल विश्वासपात्र पब्लिशर अथवा वेबसाइट का प्रयोग किया जाना चाहिए|

1. वेब ब्राउजर में प्रोग्राम के लिंक को सलेक्ट करें|
2. अब प्रोग्राम को डाउनलोड करने के लिए Save अथवा Save As को सलेक्ट करें।
3. अधिकतर एंटीवायरस प्रोग्राम जैसे कि विण्डोज डिफेन्डर डाउनलोड़िग के साथ प्रोग्राम्स को वायरस के लिए स्केन करता है।
4. प्रोग्राम को डाउनलोडिंग के बाद तुरंत ही इंस्टाल करना हो तो ओपन या रन बटन पर क्लिक करें और स्क्रीन पर दिखाये निर्देशों का पालन करें। यदि एडमिनिस्ट्रेटर पासवर्ड या कन्फर्मेशन माँगा जाए तो पासवर्ड टाइप करके कन्फर्म करें।
5. डाउनलोड होने के बाद यदि आप प्रोग्राम को बाद में इंस्टाल करना चाहते हैं तो Save पर क्लिक करें और कंप्यूटर पे डाउनलोड की गई फाइल को सेव कर लें और जब भी आप प्रोग्राम को इंस्टाल करना चाहें तो सेटअप फाइल पर डबल क्लिक करके प्रोग्राम को इंस्टाल कर सकते है। यह इनस्टॉल करने का बेहतर व सुरक्षित तरीका है क्योंकि

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

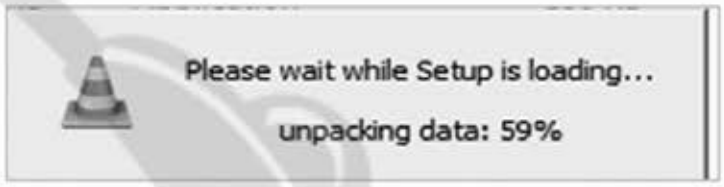
आप इनस्टॉल करने से पूर्व डाउनलोड की गई फाइल को अपने एंटीवायरस से वायरस स्कैन करा सकते हैं | विंडोज हेतु डिजाईन किये गए प्रोग्राम को इनस्टॉल करना बहुत ही सरल होता है |

15.3.3 विण्डोज स्टोर से इंस्टाल करना:-

विण्डोज स्टोर से एक प्रोग्राम अथवा एप्लीकेशन इनस्टॉल करने के लिए स्टार्ट मेन्यू या टास्क बार पर उपलब्ध विंडोज स्टोर आइकॉन (जो कि शौपिंग बैग की तरह दिखता है) पर जायें जहाँ किसी विशेष प्रोग्राम को सर्च करके इनस्टॉल किया जा सकता है |

15.3.4 प्रोग्राम का इंस्टालेशन प्रोसेस:-

विंडोज हेतु डिजाईन किये गए प्रोग्राम को इनस्टॉल करना बहुत ही सरल तथा व्यवस्थित तरीके से होता है | उदाहरण के तौर पर VLC मीडिया प्लेयर को इंस्टाल करना।



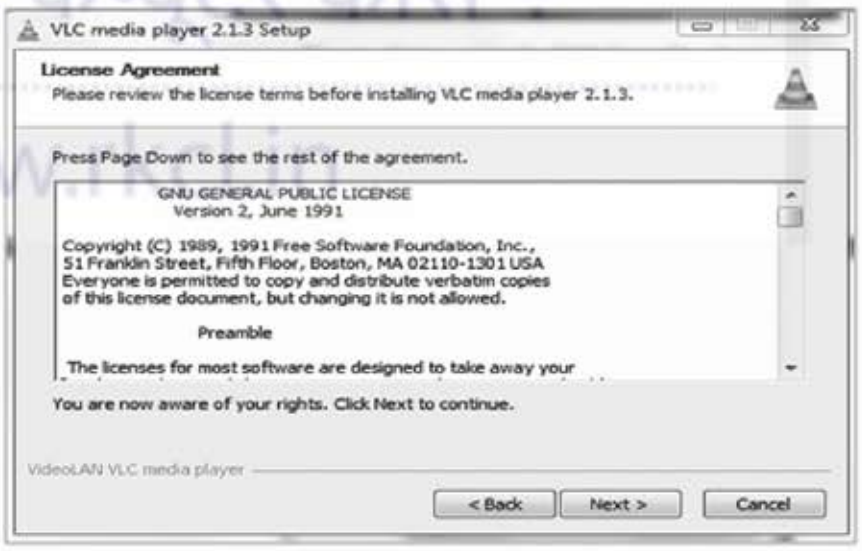
चित्र 15.19: सेटअप फाइल extract करना



चित्र 15.20 VLC मीडिया प्लेयर का सेटअप

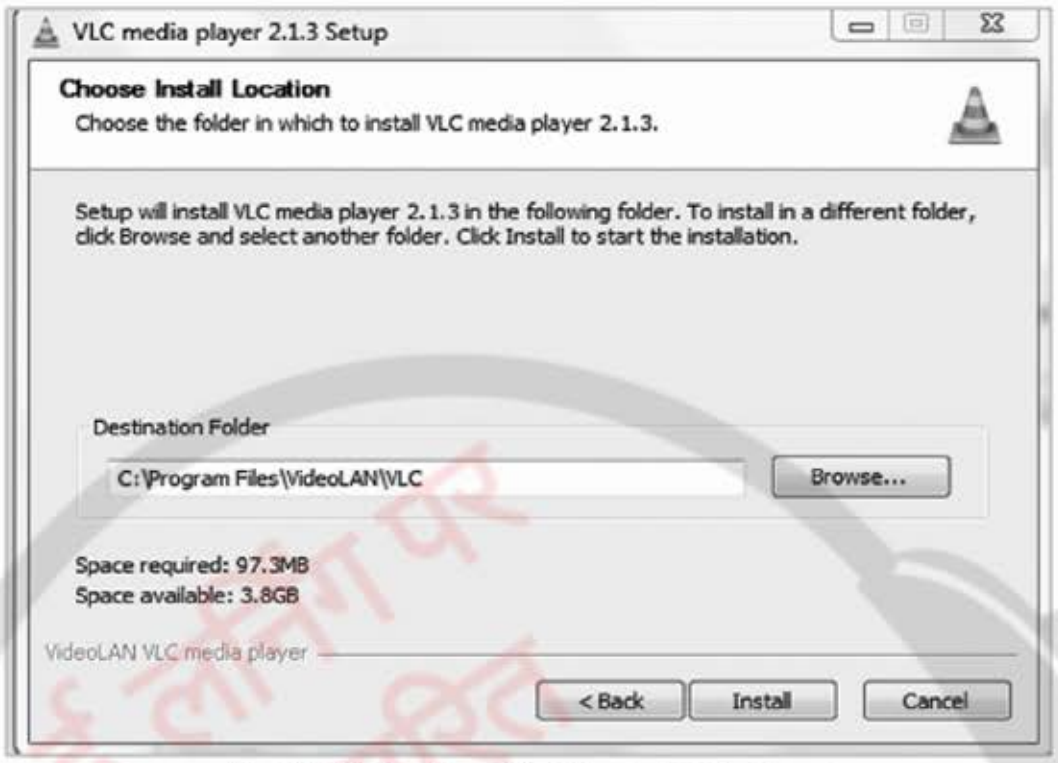


चित्र 15.21 इंस्टालेशन के दौरान भाषा का चयन करना

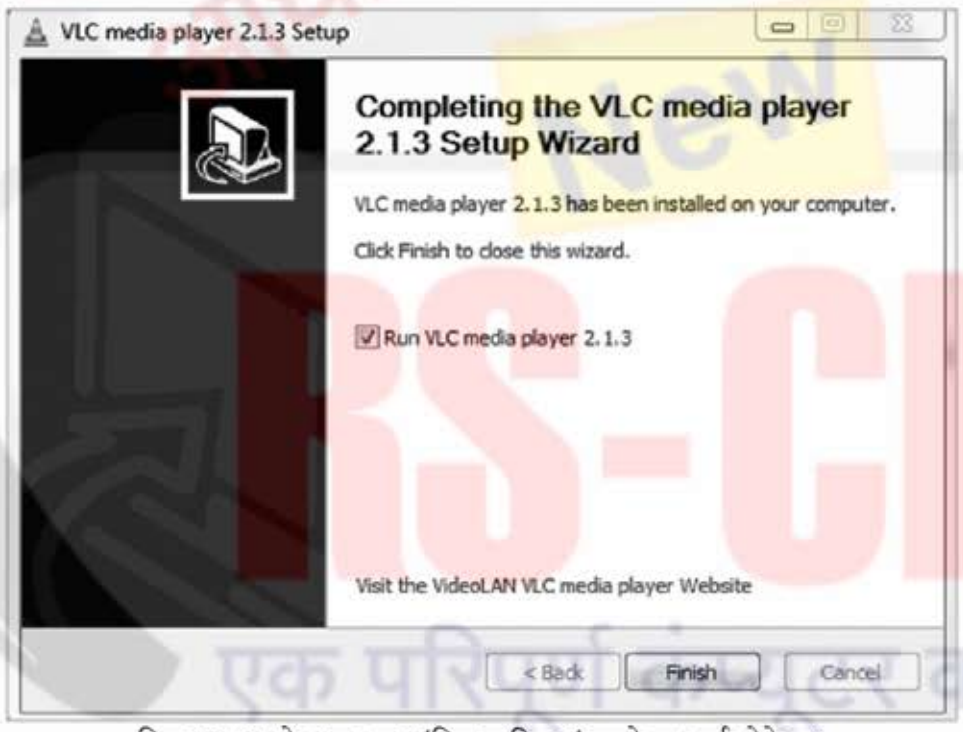


चित्र 15.22 VLC मीडिया प्लेयर का लाईसेन्स एग्रीमेन्ट

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL



चित्र 15.23 इंस्टालेशन की लोकेशन को अंकित करना



चित्र 15.24 सेटअप का अंतिम स्क्रीन (इंस्टालेशन पूर्ण होने पर)

उपयोगी जानकारी

टिप - कुछ इंस्टालेशन सेटअप चाहे गए प्रोग्राम के अतिरिक्त भी कुछ प्रोग्राम को इनस्टॉल कर आपकी डिफ़ॉल्ट सेटिंग बदलने की कोशिश करते हैं | इंस्टालेशन के दौरान ऐसे प्रोग्राम्स को अनचेक (Checkbox) करना ना भूलें |

त्वरित समीक्षा

- विण्डोज 10 में इंस्टालेशन के विभिन्न स्रोत क्या क्या हैं ?
- सोप्टवेयर अथवा प्रोग्राम के इंस्टालेशन की आवश्यकता क्या है ?
- कंप्यूटर पर इनस्टॉल किए हुए प्रोग्राम कहां सेव रहते हैं ?

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

15.4 संसाधनों का प्रबंधन (एडमिनिस्ट्रेशन)

एडमिनिस्ट्रेटिव टूल्स का प्रयोग करके कंप्यूटर पर उपलब्ध संसाधनों का प्रबंधन किया जा सकता है। कन्ट्रोल पैनल में एडमिनिस्ट्रेटिव टूल्स का फोल्डर होता है जिसमें सिस्टम एडमिनिस्ट्रेरर और एडवान्सड यूजर्स के लिए टूल्स होते हैं | फोल्डर में स्थित टूल्स विंडोज के वर्जन के अनुसार बदलते रहते हैं।

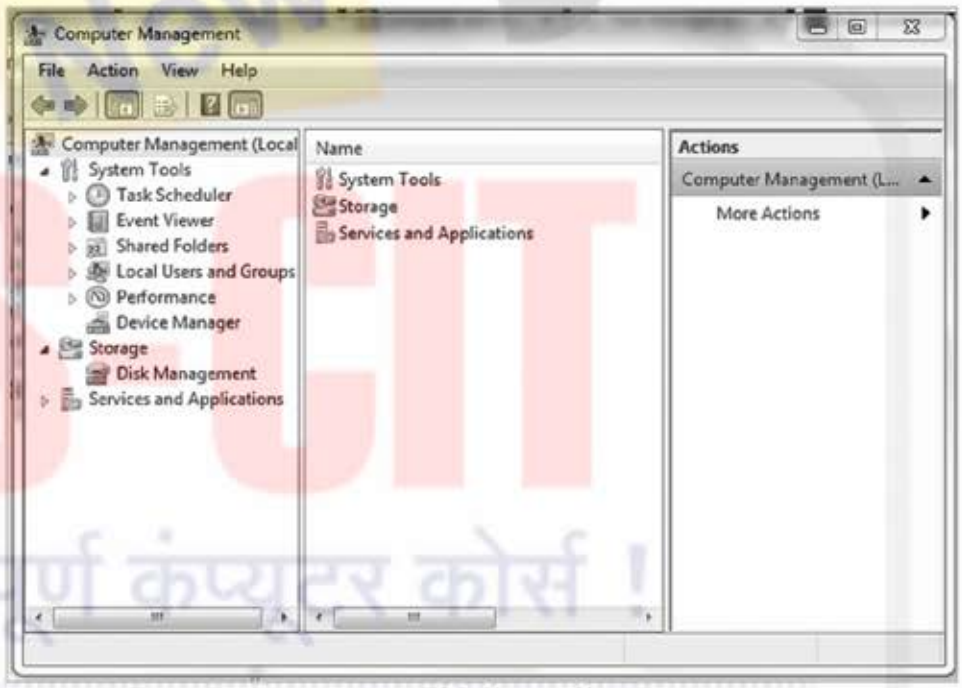
स्टार्ट बटन पर क्लिक कर, कन्ट्रोल पैनल में जाकर एडमिनिस्ट्रेटिव टूल्स फोल्डर खोला जा सकता है। या फिर सर्च बाक्स में जाकर, एडमिनिस्टट्रेटिव टूल्स टाइप कर उसे सलेक्ट किया जा सकता है।

फोल्डर में स्थित कई टूल्स, जैसे कि कंप्यूटर मैनेजमेन्ट, माइक्रोसोफ्ट मैनेजमेन्ट कन्सोल (MMC) के स्नेप-इन्स होते है जिनमें उनके खुद के हेल्प टॉपिक्स होते हैं। किसी विशेष माइक्रोसाफ्ट मैनेजमेंट कन्सोल टूल की हैल्प देखने अथवा MMC-स्नेप-इन्स जो की निचे लिस्ट में दिखाई नहीं दे रहा हो को सर्च करने के लिए इसके टूल को ओपन कर हैल्प मेन्यू पर क्लिक करें और बाद में हैल्प टॉपिक्स पर क्लिक करें। अब आप किसी भी टॉपिक की हैल्प ले सकते हैं।

इस फोल्डर मे उपलब्ध कुछ कॉमन एडमिनिस्ट्रेटिव टूल्स निम्न हैं:

कम्पोनेन्ट सर्विसेज: यह कम्पोनेन्ट ऑबजेक्ट मोडेल (COM) कम्पोनेंट्स को कनफिगर व ऐडमिनिस्टर करता है | यह मुख्यतः डेवलपर एवं एडमिनिस्ट्रेटर के उपयोग हेतु डिजाईन किया जाता है |

कंप्यूटर मैनेजमेन्ट: इसके माध्यम से लोकल या रिमोट कंप्यूटर को एक डेस्कटॉप टूल से मैनेज किया जा सकता है | कंप्यूटर मैनेजमेन्ट का प्रयोग करके आप कई टॉस्क जैसे कि सिस्टम इवेंट की मॉनीटरिंग, हार्ड डिस्क का कनफिगरेशन और सिस्टम परफोरमेन्स को मैनेज आदि कर सकते है।



चित्र 15.25 कंप्यूटर मैनेजमेन्ट इंटरफ़ेस स्विच रिव्यू

www.rkcl.in

त्वरित समीक्षा

- डिवाइस मैनेजर का प्रयोग करके कौन कौन सी डिवाइस को मैनेज किया जा सकता है ?

15.5 यूजर अकाउन्ट बनाना:

विण्डोज 10 मे आप कई यूजर्स के अकाउन्ट बना सकते हैं जिसके द्वारा प्रत्येक यूजर अपने अलग अकाउंट में अपनी पसंदीदा सेटिंग रख सकता है जैसे कि डेस्कटॉप बैकग्राउण्ड अथवा स्क्रीन सेवर आदि। यूजर अकाउन्ट मेन्यू यह कन्ट्रोल कर सकता है

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

कि किन फाइल और प्रोग्राम को एक यूजर ऐक्सेस कर सकता है और कंप्यूटर में वह यूजर क्या क्या बदलाव कर सकता है|

आप कंप्यूटर पर एक मात्र अकाउन्ट भी रख सकते हैं जिसे सभी यूजर्स इस्तेमाल कर लें परन्तु अलग-अलग अकाउंट बनाने के कुछ फायदे हैं| यदि हर यूजर का अपना अलग अकाउंट होगा तो हर यूजर के पास फाइल व फोल्डर को व्यवस्थित तरीके से रखने के लिए अलग डेस्कटॉप उपलब्ध होगा| हर यूजर अपना पसंदीदा डेस्कटॉप बैकग्राउंड चुन सकता है व साथ ही कई अन्य पर्सनलाईजेशन फीचर (feature) इस्तेमाल कर सकता है| इसके अतिरिक्त, माता-पिता अपने बच्चों के अकाउंट में भी कुछ पैरेंटल कंट्रोल इस्तेमाल कर सकते हैं|

नये यूजर अकाउन्ट बनाने से पहले अकाउन्ट के दो प्रकार को समझना आवश्यक है:

- **स्टेण्डर्ड:** यह अकाउंट बेसिक अकाउंट होता है जिसे दैनिक सामन्य कार्यों में इस्तेमाल किया जा सकता है| स्टैण्डर्ड अकाउंट में आप किसी भी तरह का सामान्य कार्य जैसे सॉफ्टवेर चलाना, डेस्कटॉप को पर्सनलाइज करना इत्यादि कर सकते हैं| पेरेन्टल कन्ट्रोल स्टेण्डर्ड अकाउन्ट में भी उपलब्ध होता है।
- **एडमिनिस्ट्रेटर:** यह एक विशेष अकाउंट होता है जिसके द्वारा सिस्टम सेटिंग में बदलाव किया जा सकता है एवं अन्य यूजर के अकाउंट भी मैनेज किये जा सकते हैं| इन यूजर को कंप्यूटर की हर सेटिंग को एक्सेस करने का अधिकार होता है| हर कंप्यूटर पर कम से कम एक एडमिनिस्ट्रेटर अकाउंट होता ही है|

यूजर अकाउन्ट पर जाने के लिए:

1. कन्ट्रोल पैनल पर जायें|
2. "Change Account Type" पर क्लिक करें|

अथवा

1. सेटिंग ऐप (App) पर जायें|
2. "Accounts" पर क्लिक करें।

आपको एक अकाउंट पेन (Pane) दिखाई देगा जहाँ आप सम्बंधित कंप्यूटर के सभी अकाउंट देख सकते हैं| यहाँ पर आप कई नए अकाउन्ट जोड सकते हैं अथवा विभिन्न अकाउन्ट को उपलब्ध लिंक्स से मैनेज कर सकते हैं | नए अकाउंट जोड़ने हेतु Family and Other Users पर क्लिक करें|



चित्र 15.26 मल्टीप्ल अकाउन्ट को मैनेज करना

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

नया अकाउन्ट बनाने के लिए

1. अकाउन्ट पैन (Pane) से Family and other Users पर क्लिक करें|

2. Add someone else to this PC सलेक्ट करें|

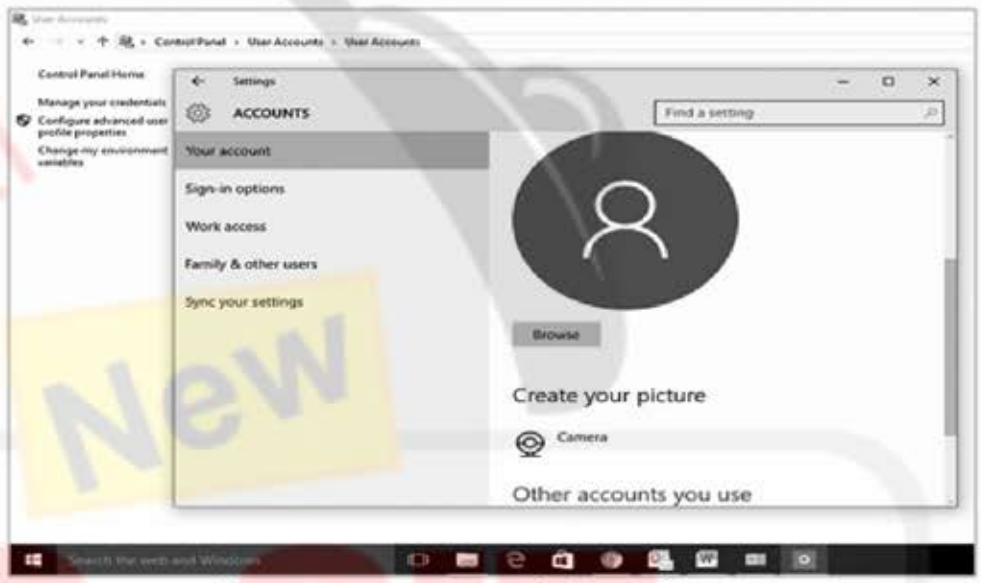
3. पेज के अंत/नीचे दिए I don't have this person's Sign-in Information को सलेक्ट करें।

4. अगले पेज के अंत में दिए Add a User without a Microsoft Account पर क्लिक करें।

5. नये अकाउन्ट के लिए नाम दर्ज करें। यदि आप नए यूजर को पासवर्ड डालकर Sign-in करवाना चाहते हैं तो पासवर्ड डाल कर वेरीफाई करें, पासवर्ड हिंट दर्ज करें एवं Next पर क्लिक करें|

6. Finish को सलेक्ट करें।

एक बार नये अकाउन्ट बनाने के बाद आप यूजर अकाउंट में पासवर्ड जोड भी सकते है अथवा सेटिंग्स ऐप के जरिए अकाउन्ट की सेटिग में बदलाव भी कर सकते हैं। आप अकाउन्ट की पिक्चर तथा साइन-इन (Sign-In) आदि को भी बदल सकते हैं|



चित्र 15.27 यूजर अकाउन्ट की पिक्चर को बदलना

त्वरित समीक्षा

- एडमिनिस्टेटर अकाउन्ट किस प्रकार स्टेण्डर्ड अकाउन्ट से अलग होता है?
- यूजर अकाउन्ट के लिए पासवर्ड कैसे बदला जा सकता है?
- गेस्ट के लिए किस प्रकार नये अकाउन्ट को जोडा जा सकता है?

15.6 फायरवाल पर कार्य करना:

एक फायरवाल इन्टरनेट व किसी नेटवर्क के जरिए आपके कंप्यूटर की सूचना (डाटा) को एक्सेस करने वाले हेकर्स तथा दुर्भावनापूर्ण सोफ्टवेयर (वोर्म्स) से आपके कंप्यूटर की रक्षा करता है। फ़ायरवॉल आपके कंप्यूटर को भी दुसरे कंप्यूटरों में दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर या वायरस भेजने से भी रोक सकता है|

फायरवाल वह डिवाइस है जो आपके डिवाइस में इनकमिंग पैकेट अथवा आउटगोइग पैकेट को फिल्टर करता है। यह फिल्टरिंग IP, TCP, UDP तथा अन्य मापदंड व संबंधित प्रमाणीकरण पर आधारित होती है।

फायरवाल कई प्रकार के होते है जैसे पैकेट फिल्टरिंग, स्टेटफुल एवं प्रोक्सी:

1. **पैकेट फिल्टरिंग**: इसमें हर फ़िल्टरिंग निर्णय पैकेट-वार किया जाता है जो पिछले पैकेट से सम्बंधित नहीं होता है|

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

2. **स्टेटफुल फायरवाल :** इसमें फ्लो इनफोरमेशन के आधार पर पैकेट फ्लो और फ़िल्टर का ट्रैक रखा जाता है।

3. **प्रोक्सी फायरवाल :** यह एप्लीकेशन वार कार्य करता है | यूजर प्रॉक्सी को भेजता है एवं प्रॉक्सी फ़ायरवॉल उससे नया पैकेट बनाता है |

फायरवाल नेटवर्क अथवा होस्ट आधारित हो सकता है | नेटवर्क आधारित फ़ायरवॉल राऊटर व मल्टी-लेयर स्विच पर रन करता है | हॉस्ट आधारित फायरवाल विंडोज अथवा यूनिक्स ऑपरेटिंग सिस्टम इनस्टॉल किये गए कंप्यूटर पर रन होते हैं |

फ़ायरवॉल हार्डवेयर अथवा सॉफ्टवेर फ़ायरवॉल भी हो सकते हैं | फ़ायरवॉल की तरह कार्य करने के लिए हार्डवेयर फ़ायरवॉल चेसीस (Chassis) विशेष रूप से डिजाईन किये जाते है व अधिकतम सुरक्षित होते है|

विंडोज फ़ायरवॉल मेन्यू के माध्यम से प्रत्येक नेटवर्क लोकेशन के लिए चार सेटिग को कस्टमाइज कर सकते है | सेटिंग को ढूढने के लिए निम्न स्टेप्स करें:

1. स्टार्ट बटन पर क्लिक कर विण्डोज फायरवाल को ओपन करें और बाद में कन्ट्रोल पैनल पर क्लिक करें। या फिर सर्च बॉक्स में फायरवाल टाइप कीजिए और अब विण्डो फायरवाल पर क्लिक कीजिए|

2. बाएं पेन (Pane) में विंडोज फ़ायरवॉल को ऑन या ऑफ करें | अगर एडमिनिस्ट्रेटर पासवर्ड या कन्फर्मेशन माँगा जाए तो पासवर्ड टाइप कर कन्फर्म करें |

नोट:- यदि आपका कंप्यूटर, नेटवर्क से कनेक्ट हो तो सम्बंधित नेटवर्क पोलिसी सेटिग आपको उपरोक्त स्टेप्स को पूरा करने से रोक सकती है।



चित्र 15.28 विण्डो फायरवाल

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

विण्डोज फायरवाल को टर्न ऑन करना:-

यह सेटिंग डिफाल्ट रूप से सलेक्ट रहती है। जब विण्डो फायरवाल ऑन हो तो फ़ायरवॉल अधिकतर प्रोग्राम्स को कम्यूनिकेट करने से रोकता है। यदि आप चाहते है कि किसी प्रोग्राम को कम्यूनिकेट करने से फायरवाल ना रोके तो आपको इसे Allow Program की लिस्ट में जोडना पडेगा।



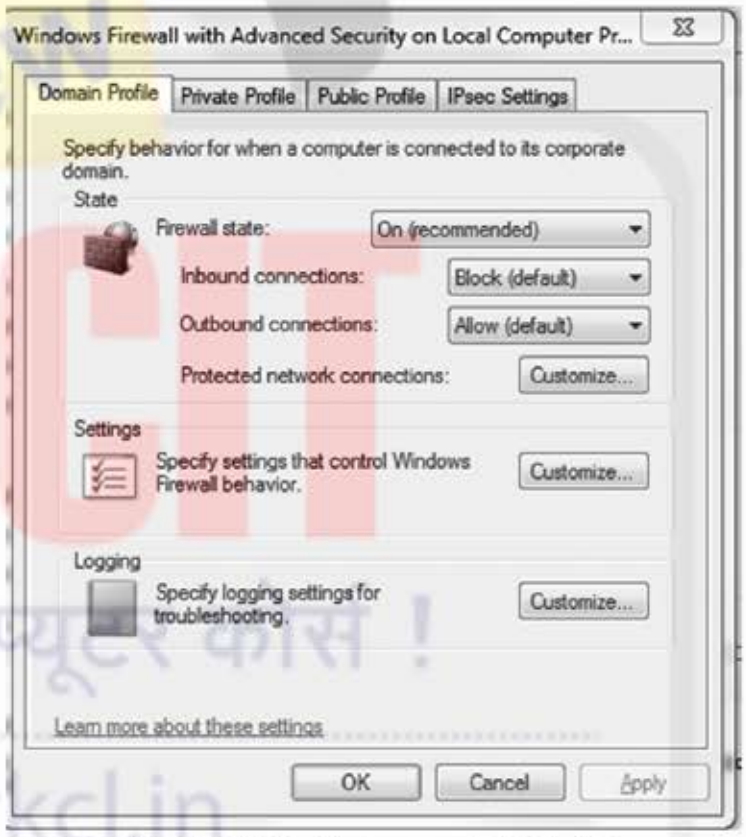
चित्र 15.29 प्रत्येक नेटवर्क के लिए सेटिंग कस्टमाइज करना

विण्डोज फायरवाल को टर्न ऑफ करना:

जब तक आपके कंप्यूटर पर दूसरा फायरवाल ऑन नहीं हो तब तक आपको विंडोज फायरवाल टर्न ऑफ नहीं करना चाहिए| विण्डोज फायरवाल को टर्न ऑफ करने पर आपके कंप्यूटर व नेटवर्क को कई हैकर व दुर्भावनापूर्ण सॉप्टवेयर नुक्सान पहुंचा सकते हैं।

प्रत्येक टाइप के नेटवर्क लोकेशन के लिए फायरवाल सेटिंग को परिवर्तित (मोडिफाई) किया जा सकता है|

सर्च मेन्यू से आप "विण्डो फायरवाल विद एडवास सिक्योरिटी" ऐप इस्तेमाल कर विंडोज फ़ायरवॉल की एडवांस्ड सेटिंग को बदल सकते हैं।



चित्र 15.30 विण्डोज फायरवाल की प्रोपर्टीज

त्वरित समीक्षा

- फायरवाल का कार्य क्या होता है?
- विण्डोज फायरवाल में कुछ प्रोग्राम को Exceptions के रुप में कैसे Allow किया जा सकता है?
- एक फायरवाल कैसे काम करती है?

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. कंप्यूटर मे यदि प्रदर्शित सिस्टम डेट और टाइम गलत हो तो इसे रिसेट करने के लिए निम्न में से किसका उपयोग करेगें?

   a. टास्क व्यू

   b. कैलेण्डर

   c. स्टार्ट बटन

   d. सेटिंग्स/कंट्रोल पैनल

2. निम्न में से कौन सा तरीका विंडोज 10 में एक सॉप्टवेयर को इंस्टाल करने का तरीका नहीं है?

   a. इन्टरनेट से डायरेक्ट

   b. विण्डोज स्टोर से

   c. सी.डी./डी.वी.डी./पैन ड्राइव से

   d. वर्ड फाईल से

3. विंडोज 10 में कौनसा एडमिनिस्ट्रेटिव टूल नही होता हैं?

   a. ODBC

   b. डिस्क क्लिनअप

   c. विण्डोज फायरवाल विद एडवांस सिक्योरिटी

   d. कोरटाना

4. एक प्रॉक्सी फ़ायरवॉल किस तरीके से फ़िल्टर करता है?

   a. फिजिकल लेयर पर

   b. एप्लीकेशन लेयर

   c. डाटा लिक लेयर पर

   d. नेटवर्क लेयर पर

5. कंट्रोल पैनल या सेटिंग्स ऐप के किस ऑप्शन के द्वारा कंप्यूटर में प्रिंटर इनस्टॉल किया जा सकता है?

   a. कन्ट्रोल पैनल=>हार्डवेयर एण्ड साउण्ड=>डिवाइस और प्रिन्टर=>Add a Printer

   b. सेटिग=>डिवाईसेज=>प्रिन्टर एण्ड स्केनर=>Add a Printer

   c. a & b दोनों

   d. उपरोक्त में से कोई नही

6. एक यूटिलिटी जो कि बिखरी हुई (fragmented) फाइल्स को कम करके एक्सेस स्पीड बढाने में मदद करती है?

   a. डिस्क स्पेस b. डिफ्रेगमेनर

   c. स्केनडिक्स d. डबल स्पेस

7. Ease of Access Center क्या कनफिगर करने में मदद करता है?

   a. नरेटर और मैग्नीफायर

   b. माउस की

   c. ऑन स्क्रीन की बोर्ड और कंट्रास्ट सेटिग

   d. उपरोक्त सभी

8. निम्न में से कौन सा फ़ायरवॉल का प्रकार नहीं है?

   a. प्रोक्सी फायरवाल

   b. स्टेटफुल फायरवाल

   c. स्टोन फायरवाल

   d. पैकेट फिल्टरिग फायरवाल

RSCIT
एक परिपूर्ण कंप्यूटर कोर्स !
www.rkcl.in

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

बहुवैकल्पिक प्रश्न

9. डिवाइस ड्राईवर के बारे में कौन सा कथन सत्य है?

a. एक प्रोग्राम जो कंप्यूटर से जुडी हुई डिवाइसों को कन्ट्रोल करता है।

b. डिवाइस को हार्डवेयर इन्टरफेस उपलब्ध कराता है।

c. यह आपरेटिंग सिस्टम में स्थित सभी प्रकार की इन्स्टालेशन के लिए जरुरी हैं।

d. उपरोक्त सभी

10. विंडोज 10 में कन्ट्रोल पैनल या सेटिंग्स ऐप का प्रयोग कर निम्न में से कौन सी सेटिंग्स को कनफिगर किया जा सकता है?

a. अपीयरेंस एवं पर्सनलाइजेशन (डेस्कटॉप बैकग्राउंड, स्क्रीनसेवर, थीम, इत्यादि)

b. नेटवर्क और इन्टरनेट

c. क्लॉक, रीजन और लैंग्वेज

d. उपरोक्त सभी

RS-CIT
एक परिपूर्ण कंप्यूटर कोर्स !
www.rkcl.in

© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL